

SHRI JYOTINIVAS KUMAR SINHA

Shri Jyotinivas Kumar Sinha is a retired Indian Police Service Officer and renowned social worker. Born on July 16, 1945, he did his schooling from St. Xavier's School. Patna. Thereafter, he joined St. Stephen's College. Delhi in 1961 and graduated with History (Honours) in 1964. He did Masters in History from the Delhi University in 1966 and joined the Indian Police Service in 1967. He was allotted the Bihar Cadre but served in his home state for a very short period and went on deputation to the Cabinet Secretariat, Government of India in 1971. During his service with the Cabinet Secretariat, he served in India and abroad with great distinction. He was awarded the 'Indian Police Medal for meritorious service in 1987 and the 'Sarvottam Seva Suraksha Patna' for distinguished service in 2000. He retired as Special Secretary in 2005.

2. On retirement, Shri Sinha decided to return to his home state and settled in Patna with the sole objective of working for the welfare of the 'Musahars community of Bihar, perhaps, the most downtrodden and poverty stricken community in India. He established 'Shoshit Seva Sangh' which runs a fully free English medium residential school in Patna to provide high quality education to the children of the Musahar community. Musahar children as young as 6-7 years drawn from remote villages of various districts of Bihar are admitted in the Pre-School class and fully supported till they complete higher secondary. The school is affiliated to the CBSE.

3. The Shoshit Seva Sangh also supports the students till they graduate from universities or institutions of higher learning. It's only then that they will be empowered and be able to get high-end jobs and become catalysts of change in their community. This will have a cascading effect and in a few decades, this will change the very profile of the Musahar community which has lived in abysmal poverty for centuries. The few students who were admitted to the school at its very inception in 2006-07 are now doing Engineering and B.A., B.Ed. courses from Central Universities run by Government of India. Shri Sinha believes that quality education alone can empower and emancipate the downtrodden and his vision is to bring about a silent revolution in the musahar community.

4. The residential school has the capacity to educate 1000 children. Presently, there are over 450 Musahar children and the school has started admitting 100 children in the Pre-School class every year. The facilities in the school would compare with quality schools in India. Shri Sinha was given 'India Positive Award' sponsored by CNN-IBN in 2012 and figured in the 'Amazing Indians' serial telecast by Times Now Channel. He was adjudged as one of the 'Best Educators' of India by the jury constituted by Times Now in 2015. He was honoured for his valuable contribution in the field of education and literacy as a 'Literacy Hero' in 2013 by Rotary International at the South Asia Literacy Summit.

पद्म श्री

श्री ज्योतिनिवास कुमार सिन्हा



श्री ज्योतिनिवास कुमार सिन्हा एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एवं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हैं। आपका जन्म 16 जुलाई, 1945 में हुआ था। आपने सेंट जेवियर स्कूल, पटना से अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की। इसके उपरांत वर्ष 1961 में आपने सेंटस्टिफन कॉलेज, दिल्ली में प्रवेश लिया तथा वर्ष 1964 में इतिहास (ऑनर्स) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। आपने वर्ष 1966 में दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की तथा वर्ष 1967 में आप भारतीय पुलिस सेवा में भर्ती हो गए। आपको बिहार कैडर आबंटित किया गया किंतु आपने अपने गृह राज्य में अत्यंत अल्पावधि के लिए कार्य किया और वर्ष 1971 में मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर आ गए। मंत्रिमंडल सचिवालय में सेवा के दौरान, आपने भारत तथा विदेश में अपनी विशिष्ट सेवाएं दीं। आपको वर्ष 1987 में सराहनीय सेवा के लिए 'भारतीय पुलिस मेडल' तथा वर्ष 2000 में आपको विशिष्ट सेवा के लिए 'सर्वोत्तम सेवा सुरक्षा पटना' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आप वर्ष 2005 में विशेष सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं।

2. सेवानिवृत्ति के उपरांत, आपने अपने गृह राज्य पटना लौटने तथा वहां रहने का निर्णय लिया और यहां आपका एक मात्र उद्देश्य बिहार के मुसाहर समुदाय, जो शायद भारत का सबसे ज्यादा दलित एवं गरीब समुदाय है, के कल्याण के लिए कार्य करना था। आपने 'शोषित सेवा संघ' की स्थापना की जो मुसाहर समुदाय के बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए पटना में पूर्ण रूप से नि:शुल्क अंग्रेजी मीडियम रेजीडेंशियल स्कूल का संचालन करता है। बिहार के विभिन्न जिलों के दूर-दराज स्थित गांव से 6 से 7 वर्ष की आयु के मुसाहर बच्चों को प्री-स्कूल कक्षाओं में प्रवेश प्रदान किया जाता है और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने तक उन्हें पूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। यह विद्यालय सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है।

3. शोषित सेवा संघ इन विद्यार्थियों की तब तक मदद करता है जब तक कि वे विश्वविद्यालयों अथवा उच्च शिक्षण संस्थानों से स्नातक की उपाधि प्राप्त नहीं कर लेते। इसके पश्चात ही वे सशक्त बनेंगे और उन्हें अच्छी नौकरी मिल पाएगी और वे अपने समुदाय में परिवर्तन लाने का माध्यम बनेंगे। इसका व्यापक परिणाम होगा और कुछ ही दशकों में इससे मुसाहर समुदाय जो सदियों से नितान्त गरीबी में अपना जीवनयापन कर रहा है, के जीवन में परिवर्तन आएगा। ऐसे कुछ विद्यार्थी जिन्होंने इस विद्यालय की शुरूआत में ही अर्थात् वर्ष 2006-07 में प्रवेश प्राप्त किया था, वे आज भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाले केन्द्रीय विश्वविद्यालयों से इंजीनियरी, बी.ए., बी.एड. जैसे कोर्स कर रहे हैं। श्री सिन्हा का ऐसा मानना है कि केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही दलित समुदाय को सशक्त एवं बंधनमुक्त बना सकती हैं और वे मुसाहर समुदाय में एक मौन क्रान्ति लाना चाहते हैं।

4. रेजीडेशियल स्कूल में 1000 बच्चों को प्रवेश दिया जा सकता है। फिलहाल, इस विद्यालय में 450 मुसाहर बच्चे हैं तथा विद्यालय ने प्री-स्कूल में प्रत्येक वर्ष 100 से ज्यादा बच्चों को प्रवेश देना शुरू कर दिया है। इस स्कूल में प्रदान की जाने वाली सुविधाएं भारत के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में दी जाने वाली सुविधाओं की बराबरी कर पाएंगी। श्री सिन्हा को वर्ष 2012 में सीएनएन-आईबीएन द्वारा प्रायोजित 'इंडिया पॉजिटिव अवार्ड' से सम्मानित किया गया तथा आप टाइम्स नाऊ चैनल द्वारा प्रसारित किए जाने वाले 'अमेजिंग इंडियन धारावाहिक में भी दिखाई दिए। आपको टाइम्स नाऊ द्वारा वर्ष 2015 में गठित ज्यूरी द्वारा 'बेस्ट एजुकेटर' ऑफ इंडिया चुना गया। आपको शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र आपके अतुलनीय योगदान के लिए वर्ष 2013 में रोटरी इंटरनेशनल द्वारा साउथ एशिया लिटरेसी सम्मिट में 'लिटरेसी हीरो' के रूप में सम्मानित किया गया।